

**Title:** Requests the Central Government to provide D.A.P. and Urea fertilizers to the farmers to save the wheat crops.

श्री गंगा चरण राजपूत : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन और सरकार का ध्यान बहुत गंभीर समस्या की ओर दिलाना चाहता हूँ। इस समय गेहूँ की बुवाई चल रही है। किसानों को डी.ए.पी. और यूरिया खाद की अत्यन्त आवश्यकता है और देश में डी.ए.पी. और यूरिया खाद नदारद है। हम में से ज्यादातर सदस्य किसान परिवार से संबंधित हैं। यदि किसानों को डी.ए.पी. और यूरिया खाद इस समय नहीं मिली और गेहूँ की फसल नहीं बोई गई तो आने वाले दिनों में देश में भुखमरी फैल जाएगी, किसान तबाह हो जाएगा, देश तबाह हो जाएगा। देश में वैसे ही महंगाई चरम सीमा पर है, आसमान छू रही है। ... (व्यवधान) इतना गंभीर विषय है।

... (व्यवधान)

इस समय महंगाई आसमान छू रही है। बाजार में सब्जियाँ नहीं हैं, दाल नहीं है, तेल नहीं है, लेकिन जिस दिन गेहूँ नहीं रहा, उस दिन देश की क्या हालत होगी, इसपर सबको गंभीरता से विचार करना पड़ेगा। सरकार इस समस्या को इतनी लाइटली ले रही है।

... (व्यवधान)

डी.ए.पी. और यूरिया खाद की तीन महीने से मांग कर रहे हैं लेकिन सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please do not pass such running commentaries.

... (व्यवधान)

सभापति महोदय : क्या करना है, वह बताइए।

श्री गंगा चरण राजपूत : हम आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि देश के किसानों को तत्काल डी.ए.पी. और यूरिया खाद मुहैया कराई जाए नहीं तो सरकार को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please do not disturb him.

श्री गंगा चरण राजपूत : सत्ता पक्ष में होकर आप लोगों के दायित्व का निर्वाह कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

इसका आपको निर्वाह करना चाहिए, आपको शर्म आनी चाहिए। ... (व्यवधान) इस मामले को लेकर मैं धरने पर बैठने जा रहा हूँ।

... (व्यवधान)

यह इतना गंभीर मामला है कि किसान तबाह हो जाएगा।

... (व्यवधान)

श्री गंगा चरण राजपूत : सभापति महोदय, देश में जो भुखमरी की स्थिति होगी, ... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Shri Ganga Charan Rajput, you have already conveyed it. The Government has taken note of it.

... (Interruptions)

श्री गंगा चरण राजपूत : सभापति महोदय, इस पार्लियामेंट का फायदा क्या है, जब यहां किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा। यह गम्भीर मामला है, इसलिए इस पर नियम १९३ के अन्तर्गत डिस्कशन कराया जाये।

... (व्यवधान)

>SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): The Government is anti-farmers. We support you. ...  
(Interruptions)

श्री गंगा चरण राजपूत : यह इतना गम्भीर मामला है, देश में तबाही हो रही है, किसान हमारे क्षेत्र में त्राहि-त्राहि कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You have already conveyed it the Government.

... (Interruptions)

श्री गंगा चरण राजपूत : हम सरकार से जवाब चाहते हैं कि कब तक किसानों को डी.ए.पी. और यूरिया खाद मुहैया कराई जायेगी? हमको इसका जवाब चाहिए।

... (व्यवधान)

>

श्री मदन लाल खुराना: आप जरा सुनिये। आप बैठिये। सभापति महोदय, तीन दिन पहले इसी बारे में प्रधान मंत्री जी ने आपको आश्वासन दिया।

... (व्यवधान)

श्री गंगा चरण राजपूत :उस आश्वासन से क्या हुआ, जब किसान को डी.ए.पी. खाद नहीं मिल रही है।

... (व्यवधान)

हम किसान के बेटे हैं।

श्री मदन लाल खुराना : सारे ही किसान के बेटे हैं।

श्री गंगा चरण राजपूत :हम क्षेत्र में जाते हैं तो हमको गाली सुननी पड़ती हैं।

SHRI P.C. THOMAS : Sir, this is a very serious matter which he is raising. We are supporting him. ...  
(Interruptions)

श्री गंगा चरण राजपूत : जो किसान के बेटे सांसद हैं, उनको पता है। जो देहात से चुनकर आते हैं, उनको इस समस्या के बारे में पता है। सभापति महोदय, मैं धरने पर बैठ रहा हूँ।

12.51 hrs

(At this stage, Shri Ganga Charan Rajput, hon. Member came  
and sat on the floor near the Table.)

MR. CHAIRMAN: Shri Ganga Charan Rajput, this is not the way to conduct yourself in the House. Please go back to your seat.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I request the hon. Minister of Parliamentary Affairs to tell his Member to behave properly in the House. This is not the way he should conduct himself in the House. I am so sorry. What is this?

... (Interruptions)

12.52 hrs

(At this stage, Shri Ganga Charan Rajput,  
went back to his seat.)

MR. CHAIRMAN: I request all the Whips of the Parties and the Minister of Parliamentary Affairs to at least convey to their Members as to how they should conduct themselves in the House. This is not the way one has to behave in the House.

SHRI MADAN LAL KHURANA: Sir, I am really very sorry.

मैं इसके लिए क्षमा मांगता हूँ और मैं इसे देखूंगा।